(Pages : 4) **L – 5286**

Reg. No. : .....

Name : .....

Fourth Semester M.A. Degree Examination, March 2021

Hindi Language and Literature

HL 241 — MODERN POETRY SINCE PRAYOGVAD

(2015 Admission Onwards)

Time : 3 Hours Max. Marks : 75

gcwcentrallibrary.in

I. सही उत्तर चुनकर लिखिए:

1. 'दूसरा सप्तक' – के संपादक का नाम क्या है?

   (जगदीश गुप्त, अज्ञेय, धूमिल, वाजपेई)

2. 'तीसरा सप्तक' – का प्रकाशन कब हुआ?

   (1948,1952, 1959, 1960)

3. 'कविता के नए प्रतिमान – किसकी रचना है?

   (लक्ष्मीकान्त वर्मा, धूमिल, मुक्तिबोध, नामवरसिंह)

4. 'संसद से सड़क तक' – किसका काव्य–संकलन है?

   (अरुण कमल, कीर्ति–चौधरी, मदन कश्यप, धूमिल)

5. 'अचरज' की बात है

   यकीन नहीं करते आप क्यों मेरा' – किस कविता की पंक्तियाँ हैं?

   (प्रेत का बयान, कालिदास से, अज्ञेय के प्रति, सौन्दर्यबोध)

6. धूमिल शब्द किस शब्दांश से पूर्णरूप हो जाता है?

   (नरेश, सर्वेश्वर, सुदामा पाण्डेय, गजानन माधव)

P.T.O.

7. 'पुतली में संसार' – किसकी कविता है?

(कीर्ति चौधरी, मदन वात्स्यायन, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, अरुण कमल)

8. 'अन्धेरे में' – साहित्य की कौन सी विधा है?

(उपन्यास, नाटक, आत्मकथा, कविता)

9. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना किस सप्तक परंपरा के कवि है?

(तारसप्तक, दूसरा सप्तक, तीसरा सप्तक, चौथा सप्तक)

10. वैद्यनाथ किसका असली नाम है?

(अज्ञेय, अरुण कमल, मुक्तिबोध, नागार्जुन)

(10 × 1 = 10 Marks)

II. किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

1. प्रयोगवादी कवि अज्ञेय।
2. स्त्री लेखिका कात्यायनी।
3. मोचीराम की संवेदना।
4. यह दीप अकेला का कथ्य।
5. 'सौन्दर्यबोध' कविता का सन्देश।
6. गीत फरोश का व्यंग्य।
7. 'पट कथा' – का शिल्प–सौन्दर्य।

(4 × 5 = 20 Marks)

III. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. नई कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।
2. अज्ञेय की व्यक्तिवादी विचारधारा।
3. ब्रह्मराक्षस में बिम्ब और प्रतीक योजना।
4. प्रयोगवाद की विशेषतायें।

(2 × 10 = 20 Marks)

gcwcentrallibrary.in

IV. (क) किन्हीं **चार** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

1. द्वीप है हम
यह नहीं है शाप। यह अपनी नियति है।
हम नदी के पुत्र है। बैठे नदी के क्रोड में
वह बृहत भूखंड से हम को मिलाती
और वह भूखण्ड अपना पितर है।

2. विगत शत पुण्य का आभास
जंगली हरी कच्ची गन्ध में बसकर
हवा में तैर
बनता है गहन सन्देह
अनजानी किसी बीती हुई उस श्रेष्ठता का जो कि
दिल में एक सटके–सी लगी रहती।

3. अगर ज़िन्दगी की कारा में
कभी छटपटाकर मुझको आवाज़ लगाओं
और न कोई उत्तर पाओ
यही समझना कोई इसको धीरे धीरे निगल चुका है
इस बस्ती में कोई दीप जलानेवाला नहीं बचा है,

4. मैं नया कवि हूँ
इसी से जानता हूँ।
सत्य की चोट बहुत गहरी होती है
मैं नया कवि हूँ
इसी से मानता हूँ।

5. कहने का मतलब यह है कि भाइयो !
जनतन्त्र जनता से नहीं
घर की जंग से शुरु होता है
और फिर पहली बार यह जानकर
वह खुश होगा कि मतपेटी में

gcwcentrallibrary.in

6. क्योंकि औरत सिर्फ भाप या बसन्त ही नहीं है
एक सिम्फनी भी है समूचे ब्रह्माण्ड की
जिसका दूध, दूब पर दौड़ते हुए बच्चों में
सरगोश की तरह कूलाचें भरता है
और एक कन्दरा भी है किसी अज्ञात इलाखे में

7. जी माल देखिए; दाम बताऊँगा
बेकाम नहीं, काम बताऊँगा
कुछ गीत लिखे है मस्ती में मैं ने
यह गीत सख्त सर-दर्द भुलाएगा,
यह गीत पिया को पास बुलाएगा!

(4 × 5 = 20 Marks)

(ख) किसी **एक** अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए!

1. जब समुद्र
उड़ने के लिए - आकुल होता है
तब प्रति आकाश नहीं
मेघ बनना होता है,
जब सूर्य
पृथ्वी के लिए, विह्वल होता है

2. प्रश्न थे गम्भीर, शायद खतरनाक भी
इसीलिए बाहर का गुंजान
जंगलों से आती हुई हवा ने
फूँक मार एकायक मशाल ही बुझा दी ---
कि मुझको यों अन्धेरे में पकड़कर
मौत की सजा दी!

(1 × 5 = 5 Marks)

gcwcentrallibrary.in